हिन्दी महाकाव्य परम्परा में मूक माटी का अनुशीलन

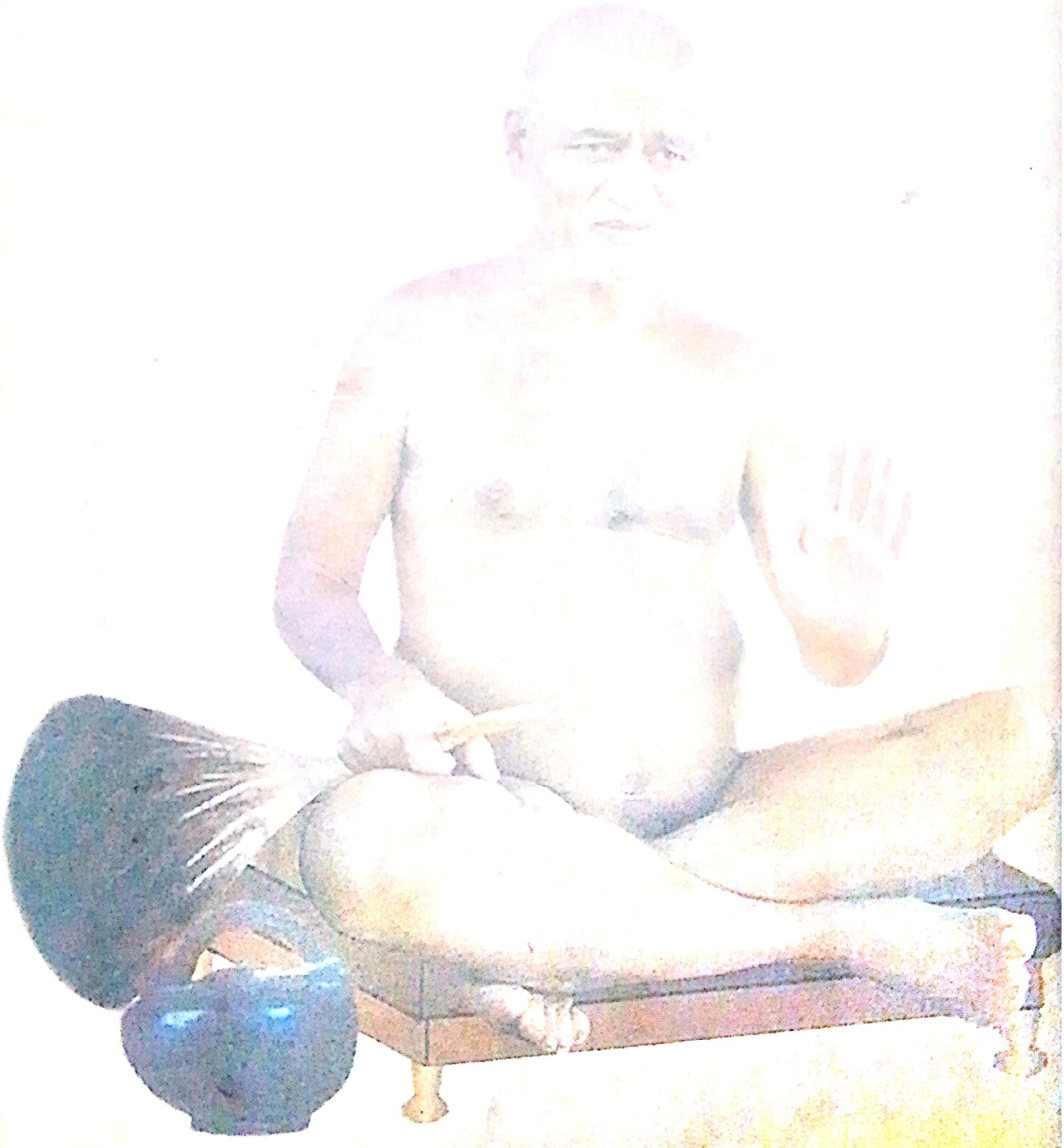

डॉ. अमिता जैन

Scanned with OKEN Scanner

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की आंशिक सहायता राशि से प्रकाशित
(डॉ. सर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर द्वारा पी. एच. डी. उपाधि हेतु स्वीकृत शोध प्रबंध)
प्रबंध निर्देशक - डॉ. श्रीमती सरोज गुप्ता

हिन्दी महाकाव्य परम्परा में मूक माटी का अनुशीलन

मूल्य : 450/-
प्रथम संस्करण : 2010
ISBN -81-89740-15-6
© डॉ. सर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

प्रकाशक : कृष्णा कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिंटर्स
विजय टाकीज चौराहा, सागर - 470002 (म. प्र.)
☎ : 07582-406245

आवरण सज्जा :
पब्लिश कम्प्यूटर्स
रामपुरा रोड, विजय टाकीज चौराहा, सागर (म. प्र.)
Mob. : 9425663334

Hindi Mahakvya Parampara Main Mookmati ka Anushilan
by Dr. Amita Modi

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय 7-41

महाकाव्य का स्वरूप तथा लक्षणों का विकास

द्वितीय अध्याय 43-76

हिन्दी के पूर्ववर्ती महाकाव्य तथा हिन्दी महाकाव्यों पर उनका प्रभाव

तृतीय अध्याय 77-124

हिन्दी महाकाव्य परम्परा का क्रमिक विकास

चतुर्थ अध्याय 125-144

महाकवि का व्यक्तित्व एवम् सृजन चेतना

पंचम अध्याय 145-220

मूक माटी : महाकाव्य विधयक तत्वों का आकलन

षष्ठम अध्याय 221-244

मूक माटी : मूल्यांकन के विविध आयाम

सप्तम अध्याय 245-262

मूक माटी : महाकाव्यात्मक वैशिष्ट्य

उपसंहार 263-268

संदर्भ ग्रंथ सूची 269-274

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. अमिता जैन

अमिता जैन का जन्म बुंदेली माटी में 31 जुलाई 1976 में सागर में हुआ। आपने बी.एस.सी. 1997, एम.ए. (हिन्दी) 1999 में उत्तीर्ण की। पश्चात् 2004 में आपने शोध उपाधि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर से प्राप्त की। आप राज्य स्तरीय व्याख्याता पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण हैं। आपके कई शोध पत्र विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। आचार्य श्री विद्यासागर के आशीर्वाद से आपने उनके ग्रंथ मूक माटी पर उल्लेखनीय शोध कार्य किया है।

Scanned with OKEN Scanner

ISBN - 81-89740-15-6
प्रकाशक - कृष्णा कम्प्यूटर्स एंड आफसेट प्रिंटर्स, आगरा

Scanned with OKEN Scanner